अग्रपाल राजवैद्य जीवक

विपश्यना विशोधन विन्यास

विपश्यना एवं आयुर्वेद सम्भाषा-परिषद्
अक्तूबर १५ एवं १६, २००५ के अवसर पर प्रकाशित

अग्रपाल राजवैद्य जीवक

विपश्यना विशोधन विन्यास
धम्मगिरि, इगतपुरी

अग्रपाल राजवैद्य जीवक

विषय-सूची

अग्रपाल राजवैद्य जीवक १

साकेत के नगरसेठ की भार्या ३
भगंदर का रोगी बिंबिसार ५
जीवक उपासक हुआ ६
मस्तिष्क पर शल्यक्रिया ६
अँतड़ी में गांठ ८
तथागत की चिकित्सा ९
अवंति नरेश का पांडुरोग १०
गृहस्थों द्वारा दिया गया चीवर का दान स्वीकार्य १२
आम्रवन विहार १३
उपासक के आचरण १३
चंक्रमण और जंताघर १४
प्रव्रज्या की अयोग्यता १४
चूलपंथक और महापंथक १६
तथागत के चोट की मरहम-पट्टी (व्रण-बंधन) २०
अजातशत्रु को भगवान के पास ले जाना २१
जीवक के छह गुण २३
अग्रपाल स्रोतापन्न २४
अग्र की उपाधि प्राप्त करने का आशीर्वचन २४